झांसी में स्वदेशी गोला-बारूद बनाने की राह पर बढ़े कदम

गोविन्द मिश्र ● जागरण

लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश ने स्वदेशी गोला-बारूद बनाने की राह पर कदम बढ़ा दिया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर परियोजना के झांसी नोड में मेसर्स नवभारत डिफेंस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को 43.5 हेक्टेयर जमीन आवंटित कर दी है। इस परियोजना में कंपनी प्रथम चरण में करीब 322.2 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस परियोजना के धरातल पर उतरने से न केवल प्रदेश में निजी भागीदारी से स्वदेशी तीव्र विस्फोटक (हाई एक्सप्लोसिव) तैयार होगा, बल्कि करीब 800 लोगों को परोक्ष व अपरोक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा।

कंपनी ने 29 मार्च 2024 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद इन्वेस्ट यूपी पोर्टल पर पंजीकरण कर डीपीआर प्रस्तुत की। इसमें यह बताया गया कि रक्षा उत्पादन उद्योग स्थापित करने के लिए कंपनी टीएनटी, एनसी, एनजी, आरडीएक्स और एचएमएक्स जैसी तीव्र विस्फोटक सामग्री का निर्माण करेगी। इन तीव्र विस्फोटकों का इस्तेमाल का सैन्य शस्त्रों में ही किया जाता है। इस यूनिट से मिसाइल, गन व तोपों के गोलों आदि में भरा जाने वाला बारूद तैयार होगा। अब जमीन के आवंटन के पश्चात कंपनी को 60 दिनों के भीतर 20 प्रतिशत धनराशि जमा करनी होगी।

इसके बाद 70 प्रतिशत धनराशि को जमा करने का अनुबंध होगा और रजिस्ट्री कर दी जाएगी। सबकुछ ठीक रहा तो अगले दो से तीन महीने में यूनिट स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और 2025 के अंत तक कार्य पूरा हो जाएगा।

कंपनी के निदेशक धनंजय सिंह को जमीन का आवंटन पत्र देते यूपीडा के एसीओ एसपी शाही ● स्वयं

- **यूपीडा ने नवभारत डिफेंस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को किया जमीन का आवंटन**
- **सैन्य उपकरणों में होता है हाई एक्सप्लोसिव का उपयोग, निजी क्षेत्र की होगी भागीदारी**

उत्तर प्रदेश में यूनिट स्थापित करने के लिए पूरी प्रक्रिया बड़ी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई है। सिंगल विंडो सिस्टम ने हमें बड़ी राहत दी और कहीं भी अतिरिक्त भागदौड़ नहीं करनी पड़ी। उद्योगों की स्थापना के लिए उत्तर प्रदेश का यह बदला स्वरूप अद्भुत है। इसके लिए वर्तमान सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार।

-धनंजय सिंह, डायरेक्टर, नवभारत डिफेंस सिस्टम्स प्रालि.

मेसर्स नवभारत डिफेंस सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को जमीन का आवंटन हो गया है। अब 60 दिनों में 20 प्रतिशत धनराशि जमा करने के उपरांत आगे की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस यूनिट के स्थापित होने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत की मंशा के अनुरूप निजी भागीदारी से स्वदेशी तीव्र विस्फोटक प्रदेश में तैयार होंगे।

कर्नल संजय सिंह, चीफ जनरल मैनेजर, यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर